

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

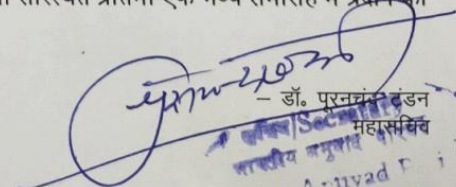
भारतीय अनुवाद परिषद के अनुवाद पुरस्कारों की घोषणा

भारतीय अनुवाद परिषद विगत साठ वर्षों से अनुवाद-क्षेत्र में समर्पित विद्वानों/अनुवादकों को i) नातालि, ii) 'डॉ. गार्गी गुप्त 'द्विवागीश' तथा iii) डॉ. गार्गी गुप्त 'अनुवाद-श्री' पुरस्कारों से सम्मानित करती आ रही है। 'नातालि' पुरस्कार प्रतिवर्ष हिंदी भाषा में रचित अनुवाद सिद्धांत की किसी एक मौलिक पुस्तक के लिए दिया जाता है। अनुवाद क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करने वाले भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के भारतीय एवं विदेशी अनुवादकों को उनके समग्र अनुवाद-कार्यों के लिए 'डॉ. गार्गी गुप्त द्विवागीश पुरस्कार' प्रतिवर्ष एक महिला और एक पुरुष अनुवादक को दिया जाता है। 'डॉ. गार्गी गुप्त अनुवाद श्री' सम्मान एवं पुरस्कार, अनुवाद को जीवन समर्पित करने वाले किसी एक वरिष्ठ अनुवादकमय व्यक्तित्व को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। अनुवाद-जगत की प्रख्यात विदुषी एवं भारतीय अनुवाद परिषद की संस्थापिका डॉ. गार्गी गुप्त द्वारा इन पुरस्कारों को छह दशक पूर्व स्थापित किया गया था। पाँच वर्षों के लिए परिषद द्वारा वर्ष 2018-2019, 2019-2020, 2022-2023, 2023-2024 तथा 2024-2025 के इन पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। निर्णायक मंडल की बैठक में संस्तुत पुरस्कार इस प्रकार हैं-

- वर्ष 2023-2024 के लिए महिला अनुवादक डॉ. आर सुमनलता को तेलुगु-हिन्दी-तेलुगु भाषा तथा पुरुष अनुवादक श्री यशपाल शर्मा को डोगरी-हिन्दी-डोगरी भाषा के लिए प्रदान किया जाएगा।
- वर्ष 2024-2025 के लिए महिला अनुवादक डॉ. करुणा शर्मा को थाई-हिन्दी-थाई भाषा तथा पुरुष अनुवादक डॉ. सोनू सैनी को रूसी-हिन्दी-रूसी भाषा के लिए प्रदान किया जाएगा।

निर्णायक-मंडल के सदस्यों में जाने-माने भाषा एवं अनुवादविद् तथा प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. नासिरा शर्मा, पूर्व समकुलपति इग्नू एवं वर्तमान में समकुलपति पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के प्रो. किरण हज़ारिका तथा सचिव साहित्य आकादमी, भारत सरकार श्री श्रीनिवास राव, भारतीय अनुवाद परिषद के महासचिव प्रो. पूनचंद टंडन उपाध्यक्ष श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल तथा भारतीय अनुवाद परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. हरीश कुमार सेठी शामिल थे।

परिषद इस पुरस्कार समारोह का आयोजन शीघ्रतिशीघ्र करने की तैयारी में है। स्थान, समय आदि की सूचना भी आपको शीघ्र ही प्रेषित की जाएगी। आप से विनम्र प्रार्थना है कि अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में इस प्रेस विज्ञप्ति को प्रकाशित कर कृतार्थ करें। हिंदी तथा भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में आपका यह सहयोग एक स्तुत्य कर्म होगा। आशा है आप हिंदी एवं भारतीय भाषाओं की सेवा और अनुवाद को समर्पित भारतीय अनुवाद परिषद का मनोबल बढ़ाएंगे। पुरस्कार में प्रत्येक सम्मानित अनुवाद सेवी को 21000/- की राशि बैंक द्वारा, शॉल तथा सारस्वत प्रतिमा एक भव्य समारोह में प्रदान की जाती है।


- डॉ. पूनमजित डंडन
सचिव/Secretary
महासचिव
भारतीय अनुवाद परिषद
Bhartiya Anuvad Parishad
24 School Lane, New Delhi-110001

